अभ्यास पत्रक

पाठ – पर्वत प्रदेश में पावस

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. काव्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"गिरिवर के उर से उठ -उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
है झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल कुछ चिंतापर।"

1. इन पंक्तियों में तरुवरों की दृष्टि किस ओर है और क्यों?

उत्तर - .....
.....

2. कवि ने वृक्षों की किस भावना का चित्रण किया है?

उत्तर - .....
.....

3. 'अनिमेष' और 'अटल' शब्द वृक्षों के किस भाव को स्पष्ट करते हैं?

उत्तर - .....
.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** पर्वतीय झरनों की ध्वनि जीवन में आनंद और चेतना का संचार करती है।
   कारण: झरने पर्वतों के गुणगान में लगे होते हैं और वे उत्साह जगाते हैं।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही
5. **कथन:** "पर्वत प्रदेश में पावस" कविता में केवल पर्वतों की कठोरता का चित्रण है।
   कारण: कवि ने पर्वतों को युद्ध और संघर्ष का प्रतीक माना है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "पर्वत प्रदेश में पावस" कविता के कवि कौन हैं?
   (क) अज्ञेय (ख) केदारनाथ सिंह (ग) सुमित्रानंदन पंत (घ) भवानीप्रसाद मिश्र
7. 'मेखलाकार' का अर्थ है—
   (क) आभूषण-सा सुंदर (ख) वृत्ताकार
   (ग) करधनी के आकार वाला (घ) पर्वत की चोटी
8. 'गिरि का गौरव गाकर' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
   (क) रूपक (ख) मानवीकरण (ग) उत्प्रेक्षा (घ) अनुप्रास
9. कविता का प्रमुख रस क्या है?
   (क) श्रृंगार (ख) शांत (ग) करुण (घ) वात्सल्य
10. 'फड़का अपार पारद के पर' में किसका वर्णन है?
    (क) बादलों का (ख) पहाड़ का (ग) पेड़ का (घ) तालाब का

eGyanArchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. पर्वतीय झरनों की सुंदरता को कवि ने किससे तुलना करते हुए व्यक्त किया है?

उत्तर - .....

.....

.....

12. कविता में शाल वृक्षों के 'धँस जाने' का क्या तात्पर्य है?

उत्तर - .....

.....

.....

13. कविता में तालाब को दर्पण क्यों कहा गया है?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. कविता में कवि ने वर्षा ऋतु में पर्वत क्षेत्र में होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों को किस प्रकार वर्णित किया है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "प्रकृति भी हमें ऊँचाई, संयम, और आत्मचिंतन की प्रेरणा देती है" – इस कथन की पुष्टि कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' के आधार पर कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. वृक्ष शांत आकाश की ओर एकटक देख रहे हैं, मानो आकाश छूने की आकांक्षा कर रहे हों।
2. वृक्षों की ऊँचाई और चिंतनशील मुद्रा से उनकी उच्च आकांक्षाओं का चित्रण है।
3. यह वृक्षों की स्थिरता, धैर्य और साधनापूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।
4. (क)
5. (घ)
6. (ग)
7. (ग)
8. (ख)
9. (ख)
10. (अ)
11. कवि ने पर्वतीय झरनों की तुलना मोतियों की लड़ियों से की है, जो सुंदरता और चमक को दर्शाते हैं।
12. 'धँस गए' का अर्थ है कि भय और आशंका के कारण शाल वृक्ष जैसे झुक गए हों या अदृश्य हो गए हों।
13. क्योंकि तालाब में पर्वत का प्रतिबिंब बनता है, जैसे मनुष्य दर्पण में स्वयं को देखता है।

14. कवि ने वर्षा ऋतु में पर्वतीय क्षेत्र में आने वाले परिवर्तनों का सुंदर चित्रण किया है। कभी हल्की वर्षा, कभी तीव्र झरनों का बहना, कभी घना कोहरा – इन सबके कारण प्रकृति का रूप बार-बार बदलता है। पर्वत की ऊँचाइयाँ, उन पर खिले फूल, बहते झरने, डरते हुए वृक्ष – यह सब प्रकृति की गतिशीलता और विविधता को दिखाते हैं। कविता में मानवीकरण का प्रयोग करते हुए कवि ने इन सबको जीवंत बना दिया है।

15. 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता प्रकृति के माध्यम से मनुष्य को सीख देने वाली कविता है। इसमें कवि ने बताया है कि जैसे पर्वत की छाती से वृक्ष उठते हैं और आकाश की ओर एकाग्र होकर देखते हैं, वैसे ही मनुष्य को भी ऊँचाई की आकांक्षा रखनी चाहिए। शांत आकाश की ओर एकटक देखना आत्मचिंतन का प्रतीक है। पर्वतों पर गिरे झरनों की मधुर ध्वनि जैसे जीवन में संगीत और चेतना भरती है। कभी-कभी अचानक छा जाने वाला अंधकार और बारिश यह बताता है कि जीवन में कठिनाइयाँ भी आती हैं, लेकिन उन्हें भी धैर्य से सहना चाहिए। यह कविता प्रकृति को गुरु मानकर उससे सीख लेने का सुंदर संदेश देती है।